ST. LAWRENCE HIGH SCHOOL

A JESUIT CHRISTIAN MINORITY INSTITUTION

FOR GOD AND COUNTRY

Study Material-1
Class -7

SUBJECT – HINDI LITERATURE **F.M. –15**
CHAPTER- जग जीवन में जो चिर महान **DATE-04.05.2020**

प्रश्न १. कवि नव जीवन को विहान क्यों लाना चाहतें है ? +2

उत्तर . मानवता की सम्पूर्ण सुरक्षा ,सुख -समृद्धि और विकास के लिए कवि विश्व में नवजीवन का विहान लाना चाहते है ।

प्रश्न २. इस कविता का शीर्षक चिर महान है ,आप अगर कोई और शीर्षक देना कहते तो क्या देते ? +1

उत्तर . इस कविता का और कोई शीर्षक देना रहता तो हम उसका नाम 'नवजीवन ' देते ।

प्रश्न ३. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिये ? +2

क. जग जीवन .....सत्य प्राण

भाव - जो संसार रोपी जीवन में दीर्घकालीन तक रहने वाला ,श्रेष्ठ सौन्दर्य से परिपूर्ण और ह्रदय में सत्य धारण करने वाला हो

ख. जिससे जीवन में .....अंधभक्ति +2

भाव - हे प्रभु !मुझे ऐसी शक्ति दो जिससे मेरे अंदर भय,शक ,संदेह और बिना सोच विचार के किसे के प्रति निष्ठा रखने की भावना का उदय हो ।

प्रश्न४. संसार में मानव कल्याण के लिए कौन -कौन से उपाए किये जा सकते है अपने शब्दों में लिखिए ?+5

उत्तर . इस कविता के माध्यम से कवि हमे ऐसे अनेक उपाए बताये है जिसके द्वारा संसार में मानव कल्याण के लिए हम कर सकते है। सबसे पहले हमे यह करना चाहिए कि कोई भूखा न रहे ।सबको भर पेट भोजन ,पहनने के लिए कपडे और रहने के लिए घर मिले । इसके बाद दूसरा प्रयास यह करनी चाहिए कि संसार में सर्वत्र शांति और भाईचारे से सभी रहे । अगर हमें संसार के कल्याण के लिए भगवान से यह वरदान मिल

जाये तो मैं गरिबो ,दलितों ,शोषितो तथा वंचितो का कल्याण करना चाहूंगा ताकि उनके भी जीवन में खुशहाली आ सके और वे भी समाज में बहुत बिषमता आ गई है ।अतः मैं प्रयास करूँगा कि समाज में समता आये ।कोई गरीब न रहे ,कोई भूखा न रहे ,सभी खुश रहे ।कोई किसी को न सताए ,सभी मिल जुलकर रहे ।

प्रश्न ५. सुमित्रानंदन पंत का जीवन परिचय लिखिए ? **+3**

उत्तर. सुमित्रानंदन पंत का जनम उत्तरांचल के जिला अल्मोड़ा के कौसानी ग्राम में हुआ था । जन्म के कुछ घंटे बाद ही उनकी चल बसी । अल्मोड़ा की प्राकृतिक सुषमा ने इन्हें बचपन से ही अपनी और आकर्षित किया ।इनके जीवन पर वातावरण का अत्यधिक प्रभाव पड़ा ।इनका जनम २० मई १९०० में हुआ था । पालन- पोषण इनकी दादी ने लिया था ।

जिसकी की मेने आमलोगों से कहा की इनपर वातावरण का अधिक प्रभाव पड़ा यह सच है इसका पता हमें उनकी कविताओं को पढ़कर लगता है । इनका अनेक कविता है -युगांत ,युगान्तर ,सत्यकाम आदि ।